हर इन्सान-एक समान | एक राष्ट्र-एक जान | मेरा भारत महान

समता आन्दोलन समिति (रजि.)

प्रान्तीय कार्यालय : 68, भारतेन्दु नगर, खातीपुरा, जयपुर

(पंजीकृत कार्यालय : 39, रामनगर-सी, झोटवाडा, जयपुर)

website : www.samtaandolan.co.in e-mail : samtaandolan@yahoo.in

माननीय श्री पानाचन्द जैन
संरक्षक (पूर्व न्यायाधिपति)

माननीय श्री अमिताभ गुप्ता
संरक्षक (पूर्व पुलिस महानिदेशक)

माननीय श्री जे.एस. राठौड़
संरक्षक (पूर्व ब्रिगेडियर)

माननीय श्री भागीरथ शर्मा
संरक्षक (पूर्व आई.ए.एस)

हमारे प्रेरणा पुंज: पं0 जवाहरलाल नेहरू
'जातिगत आरक्षण के रास्ते चलना मूर्खता ही नहीं, विध्वंसकारी है।'
(27 जून 1961 को प्रधानमंत्री के रूप में मुख्यमंत्रियों को लिखे पत्र से साभार)

श्री इकराम राजस्थानी
सलाहकार, मो. 98290-78682

पाराशर नारायण शर्मा
अध्यक्ष, मो. 94133-89665

राम निरंजन गौड़
महासचिव, मो. 94144-08499

ललित चाचाण
कोषाध्यक्ष,मो. 94140-95368

प्रान्तीय उपाध्यक्ष एवं पदेन सम्भागीय अध्यक्ष :-

जयपुर
योगेन्द्र राठौड़
(मुख्य लेखाधिकारी)
मो.9166494225

अजमेर
एन. के. झामड़
(अधिशाषी अभियन्ता)
मो. 9414008416

बीकानेर
वाई .के . योगी
मो. 9414139621

भरतपुर
हेमराज गोयल
(सेवानिवृत अधीक्षण अभियन्ता)
मो. 9460926850

जोधपुर
प्रहलाद सिंह राठौड़
(पूर्व आर.ए.एस)
मो. 9414085447

कोटा
अजय चतुर्वेदी
(अधिशाषी अभियन्ता)
मो. 9413385665

उदयपुर
दूल्हा सिंह चूंडावत, एडवोकेट
(कार्य. प्रदेशाध्यक्ष- क्षत्रिय महासभा राज.)
मो. 9571875488

जे.एस. राजावत
संरक्षक : समता ज्योति (मासिक -पत्र)
मो. 9314962106

टार्गेट-2015
पदोन्नति में आरक्षण समाप्ति अभियान
द्वितीय चरण

क्रमांक

दिनांक : 05.05.2013

सचिवीय प्रतिवेदन

प्रदेश स्तरीय कार्यशाला दिनांक 05.05.2013 में प्रस्तुत

समता आन्दोलन के श्रद्धेय संरक्षकगण, उपस्थित समस्त समता आन्दोलन परिवार के विशिष्ठ अतिथिगण, संभागीय/जिला पदाधिकारीगण/विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारीगण, एवं कार्यकर्ता साथियों आप सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन ।

सबसे पहले आप सभी को इस बात की बधाई देना चाहूंगा कि आप सभी के स्नेह, मार्गदर्शन और सक्रिय सहयोग से आज समता आन्दोलन की पहचान पूरे प्रदेश में ही नहीं अपितु देश के अनेक राज्यों में पूरी आस्था और विश्वास के साथ बन चुकी है कि यह संगठन देश के सर्वागींण विकास,परस्पर भाईचारे और देश की भावी पीढी के लिए संघर्ष करने वाला संगठन है। इस संगठन के ध्येय वाक्य "हर इन्सान एक समान", "एक राष्ट्र एक जान", "मेरा भारत महान" में निहित अर्थ इस संगठन की आत्मा है। हमारे संगठन के प्रतीक चिन्ह(लोगो) में हमने "सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे भ्रदाणी पश्यन्तु" को अंगिकार किया है जो हमारे पवित्र ध्येय को दर्शाता है।

प्रदेश स्तरीय कार्यशाला की बैठक के प्रथम सत्र में आप सभी के समक्ष मैं समता आन्दोलन के पांच वर्षो के कियाकलापों, गतिविधियों, उद्देश्यों और प्राप्त किये गये लक्ष्यों का संक्षिप्त ब्योरा आपके समक्ष प्रस्तुत करने जा रहा हूँ। मैं सर्वप्रथम आप सभी के समक्ष समता आन्दोलन के संविधान में उल्लेखित हमारे संगठन के उद्देश्यों को आपके समक्ष रखना चाहूंगा ।

(1) "हर इन्सान एक समान " समिति का उद्देश्य वाक्य होगा जिसके अधीन देश के नागरिकों में प्रत्येक क्षेत्र में वास्तविक समानता लाने का प्रयास किया जावेगा ।

(2) "एक राष्ट्र-एक जान" की दिशा में अग्रसर होते हुये प्रत्येक स्तर पर जातिवाद, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद आदि जैसे संकीर्ण विचारों व कृत्यों का विरोध करना तथा आपसी सद्भाव व राष्ट्रवाद को बढावा देना ।

(3) "मेरा भारत महान" का सपना साकार करने के लिए भारतीय समाज को प्रत्येक प्रकार की बुराइयों से मुक्त करना ।

(4) "सर्वेभवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया, सर्वे भद्राणी पश्यन्तु मा कश्चिदुखभागभवेत" की आदर्श उक्ति को दृष्टिगत रखते हुये देश के प्रत्येक नागरिक के उत्थान, निर्बाध उन्नति व सुखमय जीवन के लिए प्रयास करना ।

संगठन के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए यह समिति आम जनता विशेषकर अपने सदस्यों की शिकायतों को दूर करने के लिए तथा अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु विधि सम्मत एवं शांतिपूर्ण संविधानिक तरीकों एवं सत्याग्रह का सहारा लेगी ।

(लगातार ---2)

साथियों पिछली प्रदेश स्तरीय कार्यशाला दिनांक 26.05.2012 को हम सब मिले थे और तब तक की संगठन की उपलब्धियॉ और प्रगति की रिपोर्ट आप सब को पिछले सचिवीय प्रतिवेदन में दी गई थी। हमारे संघर्ष के प्रथम चरण पदोन्नति में आरक्षण को समाप्त कराने के संबंध में जो न्यायिक फैसले आप सभी के सहयोग से समता आन्दोलन ने प्राप्त किये थे उनको पूरी तरह से हम लागू नहीं करवा पाये और सरकार ने इन फैसलों को तोड़ मरोड़ कर दिनांक 11.09.11 की जो अधिसूचना लागू की, जिसके आधार पर पदोन्नति में अजा/अजजा को 1997 से 16 एवं 12 प्रतिशत तक पदों पर सीमित किया जाकर जो सभी विभागों में जो पदोन्नतियॉ हो चुकी है हमारे साथी इसी उपलब्धि से ही संतुष्ट दिखाई दे रहे है जबकि समता आन्दोलन ने 11.09.11 की अधिसूचना को न्यायालय में चुनौति दे रखी है और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार अभी हमारी रिगेनिंग की कार्यवाही बकाया चल रही है। इस निर्णय को लागू नहीं करने के और इसके अवमानना करने के संबंध में माननीय सुप्रीम कोर्ट में कन्टेम्प्ट की कार्यवाही भी चल रही है ।

साथियों गत वर्ष के दौरान हमारे संगठन द्वारा किये गये न्यायिक संघर्ष की कार्यवाही का पूरा ब्यौरा और जानकारी हमारे अध्यक्ष महोदय द्वारा आपको दी जावेगी । साथ ही अब तक संगठन के विस्तार और इकाइयों के गठन आदि की सूचना भी अध्यक्षजी अपने सम्बोधन में देंगे ।

पिछले एक वर्ष के दौरान हमारे संगठन द्वारा कुछ ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व कार्यक्रम आप सभी के सहयोग से आयोजित किये गये है जिसके लिए आप सभी का आभार प्रकट करता हूँ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के अभिनन्दन कार्यक्रम में आप सभी का जो दिल से सहयोग रहा है उसी के कारण हम सब ऐसा शानदार कार्यक्रम कर राज्य के राजनैतिक दलों को हमारी उपस्थिति का एहसास करवा पाये है।

संस्था के गत चार वर्षों के आय–व्यय का हिसाब चार्टेड एकाउण्टेण्ट से आडिट करवाया जा चुका है जिसका ब्यौरा संबंधित विभागों के साथ–साथ आयकर विभाग को भी दिया जा चुका है । दिनांक 31.03.12 तक चार वर्षों में संगठन द्वारा रूपये 90.15 लाख का खर्चा किया जा चुका है और विगत वर्ष 2012–13 में लगभग 55 लाख रूपये का व्यय किया गया है । ऑडिटेड एकाउण्ट जो भी साथी देखना चाहे वे अवलोकन कर सकते है।

संस्था का कार्यालय अनवरत एवं सुचारू रूप से संचालित है जिसमें पांच सहयोगी कर्मचारी साथी अपनी सेवाएँ दे रहे है। संस्था द्वारा आधुनिक उपकरणों के जरिये आप सभी से निरन्तर सम्पर्क एवं संवाद बनाया जाता रहा है। एक करोड़ से अधिक मोबाइल मैसेज हमारे द्वारा किये जा चुके है। 80 हजार से अधिक लोगों का डाटा हमारे से जुडा हुआ है । सरकार द्वारा मैसेज को अत्यधिक महंगा किये जाने के कारण अब एक मैसेज करने का खर्चा लगभग 22000/– रूपये आने के कारण इन दिनों सीमित संख्या में ही मैसेजेज हो पा रहे है।

इन दिनों संस्था का सदस्यता अभियान लगभग अवरूद्ध सा ही है और पिछले एक वर्ष में सक्रिय सदस्यों की संख्या 250 ही बढ पाई है और वर्तमान में संस्था के सक्रिय सदस्यों की संख्या 2706 और सदभावी सदस्यों की संख्या 1786 हो गई है । सक्रिय सदस्यता एवं सदभावी सदस्यता अभियान के लिए हम सभी को मिल कर प्रयास करना होगा। साथियों आप जानते ही है कि सदस्यता राशि से प्राप्त धनराशि को संस्था द्वारा फिक्स डिपोजिट के रूप में रखी जाती है और इसके ब्याज से ही संस्था का संचालन होता है । आप सभी से निवेदन है कि आज इस कार्यशाला से हम सभी ये संकल्प लेकर जाये कि हमारे जिले की प्रत्येक तहसील से 100–100 सक्रिय सदस्य निश्चित रूप से बनायेंगे और इसके उपरान्त एक–एक हजार सद्भावी सदस्य भी बनायेंगे । साथियों हम अब संस्था के पांच वर्ष पूर्ण करने जा रहे है इसलिए प्रथम बार आपको सदस्यता के बारे में जोर देकर आग्रह किया जा रहा है जिससे कि संस्था का स्थायी कोष बन सके और राज्य के साथ–साथ तहसील इकाइयों द्वारा किये जा रहे व्यय का भी आनुपातिक हिस्सा उन्हें दिया जा सके।

(लगातार–– 3)

हमारे अलवर जिले के रामगढ तहसील के अध्यक्ष एवं महामंत्री ने अपने अथक प्रयासों से अपनी तहसील में यह लक्ष्य पूरा कर लिया है और राज्य में लक्ष्य प्राप्त करने वाली पहली तहसील होने का गौरव प्राप्त किया है इसके लिए इनको बहुत–बहुत साधुवाद।

साथियों पूरी कानूनी लडाई चाहे हाई कोर्ट की हो या सुप्रीम कोर्ट की, सारी की सारी जिम्मेदारी हमारे अध्यक्षजी ही संभाल रहे है इस लडाई को धार देने के लिए संगठन का मजबूत होना परम आवश्यक है और यह कार्य हम सब को मिल कर शीघ्र से शीघ्र करना है । तहसील स्तर की कार्यकारिणियॉ बनानी है । नगर की वार्ड कमेटियॉ बना कर नगर इकाइयों का गठन करना है। हम यह कार्य यदि समय पर कर पायेंगे तो पांच वर्षो में आने वाले हमारे राज्य के नवम्बर में होने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति का अहसास करवा पायेंगे और यदि हम ऐसा नहीं कर पाये तो फिर अगले पांच वर्ष तक प्रतिक्षा के अलावा और कोई रास्ता हमारे पास नहीं होगा।

साथियों संस्था द्वारा हमारा नियमित मासिक समाचार पत्र समता ज्योति निरन्तर प्रकाशित किया जा रहा है जिसकी शुरूआत में 2000 प्रतियॉ की अनुमति मिली थी अब उसे बढाकर 4000 प्रतियॉ डाक से भिजवाई जाने लगी है और 1000 प्रतियॉ विभिन्न कार्यालयों में डाक के अलावा व्यक्तिशः बटवाई जा रही है । इस समाचार पत्र को आप प्रत्येक तहसील एवं जिले की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से उपयोग में ला सकते हैं। आप यह भली भांति जानते है कि सदस्यता राशि के अलावा जो भी राशि या चंदे के रूप में तहसील, जिला, संभाग या प्रकोष्ठ द्वारा एकत्र की जावेगी उसका 80 प्रतिशत भाग उसी तहसील, जिला, संभाग या प्रकोष्ठ को व्यय करने का अधिकार है। ऐसी स्थिति में आप "समता ज्योति" समाचार पत्र के नाम से विज्ञापन लेकर भी राशि या चंदा एकत्र कर सकते हैं । अगले अंक से विज्ञापन की दरें समता ज्योति में प्रकाशित की जावेगी।

साथियों संगठन के विस्तार के लिए आप सभी का सकिय सहयोग आवश्यक है । दूसरे सत्र में आप अपने–अपने सुझाव दें । प्रदेश स्तर से अध्यक्ष जी के नेतृत्व में एक दल शीघ्र ही राजस्थान के सभी जिला मुख्यालयों के दौरे पर जाने का कार्यकम तय किया गया है जिसकी सूचना आपको दी जाकर अपेक्षा है कि आपके जिला मुख्यालय पर आने से पूर्व सभी तहसीलों की कार्यकारिणियों का गठन कर तहसीलों के प्रमुख पदाधिकारियों को बुला लिया जावे ।

साथियों समता आन्दोलन की बहुत ही समृद्ध वेबसाईट निरन्तर अपडेट की जाकर आपके समक्ष है जिसके 175500 से अधिक विजिटर हो चुके है। आप सभी से आग्रह है हमारी बेवसाइट नियमित देखें। सूचना के अधिकार के अन्तर्गत हमारे संगठन ने 1000 से ज्यादा प्रकरणों में सूचनाऍ मांगने हेतु विभिन्न विभागों को आवेदन कर सूचनाऍ प्राप्त की है और उनका विभिन्न न्यायिक प्रकरणों में सुनियोजित रूप से उपयोग किया गया है । आप भी आर.टी.आई का महत्व समझे।

साथियों एक और बात का मैं यहॉ उल्लेख करना चाहूंगा कि हमारा संगठन किसी भी राजनैतिक पार्टी से कभी भी कोई सम्बद्धता नहीं रखेगा और ना ही हम अपने स्तर पर किसी प्रकार की राजनैतिक अभिलाषा रखते है । लेकिन हमारी न्यायिक लडाई मे सहयोग करने हेतु हमारे साथी सभी राजनैतिक पार्टियों के प्रमुख नेताओं से मिले भी है जिसमें कांग्रेस के श्री राहुल गांधी, भाजपा के श्री एल.के. आडवाणी, समाजवादी पार्टी के श्री मुलायम सिंह यादव सहित राज्य के पार्टी प्रमुखों से भी हम समय–समय पर मिले है और सुप्रीम कोर्ट का फैसला लागू कराने में सहयोग करने का निवेदन कर चुके है। इसी प्रकार 117वां संविधान संशोधन रूकवाने के लिए भी सभी राजनैतिक दलों/सांसदों से मिलकर अपील की जा चुकी है

समय की मर्यादा है और भी अधिकृत जानकारी एवं भावी कार्यकमों की रूपरेखा देने हेतु अध्यक्षीय सम्बोधन होना है । हमारे माननीय संरक्षकगण, विशिष्ट अतिथियों का भी सम्बोधन होना है अतः शेष बाते अपने दूसरे सत्र के लिए छोडते हुये मैं आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूॅ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूॅ कि वह हम सभी को हमारे मार्ग पर निरन्तर चलते रहने की शक्ति दे जिससे हम सभी हमारे देश के लिए एवं हमारी भावी पीढी के लिए सत्य और न्याय के मार्ग पर बढते रहे ।

————